

रीको: राजस्थान में तीन निजी औद्योगिक पार्क के लिए 552 एकड़ भूमि आवंटित होगी

नवज्योति, जयपुर। राजस्थान में निजी औद्योगिक पार्कों के विकास को गति देने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करने की दिशा में राज्य सरकार की राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 माल्बुर्ण प्रभाक निम्न रही है। नीति के तहत मांडल-ए में औद्योगिक पार्क विकास करने के लिए निवेशकों का अच्छे रक़ान दे रखने को निम्न है। ई-बिड प्रक्रिया के बाद दोहा, बालोतरा और बोलपुर में लगभग 552 एकड़ भूमि निजी औद्योगिक पार्क विकास के लिए आवंटित किए जाने का रक़ाना प्रक़त हो गया है जिससे एक तरफ रीको को लगभग 200 करोड़ रूपए की आय होगी वहीं इन निजी औद्योगिक पार्कों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

निजी औद्योगिक पार्क विकास करने के लिए लैंड पारसल प्राक करने के लिए निवेशकों से इस साल की 27 अगस्त से 8 सितंबर तक ईमईडी जमा कर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। ई-बिड प्रक्रिया में दोहा के राजाहड़, गुड्डा आशोकपुर एवं नूपुर के लिए, बालोतरा के केरवहड़ के लिए 5 तथा बोलपुर के बिजली के तट 2 अड्डाओं में भूमि होगी। ई-बिड में सफल निजी औद्योगिक पार्क भूमि आवंटित किए जाने के बाद संभावित क्षेत्रों में औद्योगिक पार्क विकास किए जाएंगे। इन पार्कों में सड़क, जलानिधि, बिजलु, ड्रेनेज, कचरा जल संकचन, स्ट्रीट लाइटिंग सहित अन्य

आवक़ण आधारभूत सुविधाओं का विकास निजी विकासकर्ता को जिम्मेदारी होगी। इसके अतिरिक्त, निवेशक शर्तों के अनुसार औद्योगिक पार्कों में सीडीपी के लिए ग्रीन सिस्टम, कमिन्स वुडिलिटि सेंट तथा लवंग-एंड-पले कोमालव सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, विकासकर्ता को बिजलु शुल्क, स्टायम शुल्क एवं रूपांतरण शुल्क में छूट अथवा प्रतिभूति का प्रक़ाना भी किया गया है। राजस्थान में विपश्यरी और औद्योगिक वातावरण के विकास के लिए उम्कूट बुनियादी ढांचे के निर्माण, सांस्कृतिक के प्रभावी उपयोग और समावेशी औद्योगिक विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस नीति के तहत मांडल-ए में लैंड पारसल के लिए निवेशकों की बहुती भागीदारी प्रदेश में औद्योगिक निवेश के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। इससे वह भी स्पष्ट होता है कि राजस्थान निवेशकों के लिए एक आकर्षक और निवेश के लिए औद्योगिक पार्कों के विकास में उद्योगों की रूचि लगातार बढ़ रही है। इन औद्योगिक पार्कों के विकास करने से प्रदेश में आने वाले समय में निवेश, औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के नए अवसरों के विकास की संभावना है।

दुर्बई की फ्लाइट 17 घंटे लेट, यात्री हुए परेशान

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट से दुर्बई जाने वाली स्पार्समेट की फ्लाइट का डेडलाइन एक बार फिर बिगड़ गया। मालतार नाम 5.55 बजे जयपुर से उड़ाना होने वाली फ्लाइट करीब 17 घंटे की देरी से बुधवार सुबह रवाना हुई। फ्लाइट के लगातार लेट होने से यात्रियों को एयरपोर्ट में खामोश रहना पड़ा। यात्रियों के अनुसार मालतार नाम निर्यात समय पर फ्लाइट के रवाना नहीं होने के बाद यात्रियों को देरी की जानकारी दी गई। बताया गया कि देरी के बाद भी उड़ानें मालतार के जयपुर नहीं पहुंचने के कारण जयपुर से दुर्बई जाने वाली फ्लाइट जा प्रभावित हुई।

ई-डिटेक्शन के परिवादों पर अफसरों की सुस्ती, 9607 प्रकरण लंबित

नवज्योति, जयपुर। परिवहन विभाग से जुड़ी 11610 शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें से 9607 शिकायतें अभी अधिकांशों के पास लंबित हैं। इनमें ई-डिटेक्शन और अन्य चालानों से जुड़े परिवार भी शामिल हैं। कई प्रकरण ऐसे हैं, जिनमें अगले पांच दिन में निर्णय लेना जरूरी है। समय पर कार्रवाई नहीं होने पर ये चालान स्वतः जौंग हो जाएंगे।

रूडोको बवतल - 7119				***** कठिनाई			
9			6				
1					2		
5		7				3	
		4					6
	3				9		
4			8				
7				9			8
	2					1	
		3				4	

WANGSI SENACH, BANGALORE